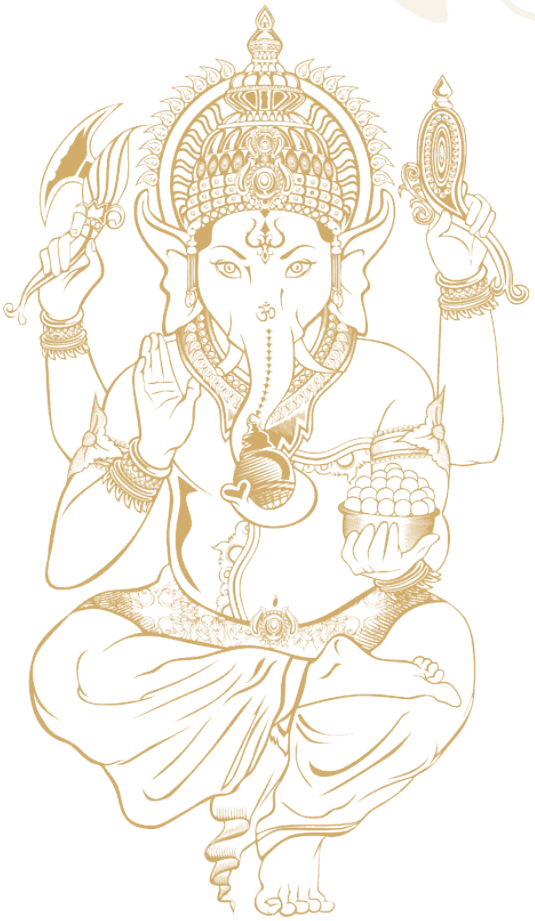

Mr.

21 Aug 2025

11:21 AM

Jalgaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 119172304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/08/2025**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:21:00 घंटे**
इष्ट	13:02:13 घटी
स्थान	**Jalgaon**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	21:01:00 उत्तर
रेखांश	75:39:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:53:36 घंटे
वेलान्तर	-00:03:09 घंटे
साम्पातिक काल	08:52:50 घंटे
सूर्योदय	06:08:06 घंटे
सूर्यास्त	18:52:26 घंटे
दिनमान	12:44:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	04:13:45 सिंह
लग्न के अंश	15:35:34 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	व्यतिपात
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हे-हेमन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:35:34	324:40:15	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	04:13:45	00:57:48	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			कर्क	09:29:47	13:31:02	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	स्वराशि
मंगल			कन्या	14:46:25	00:38:16	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध			कर्क	15:49:32	01:08:52	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	21:38:35	00:11:39	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	00:29:45	01:11:16	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	06:29:59	00:03:32	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:10:23	00:02:44	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:10:23	00:02:44	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:08:24	00:00:48	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:23:56	00:01:19	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	07:45:56	00:01:14	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	16:32:31	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:59

लग्न-चलित

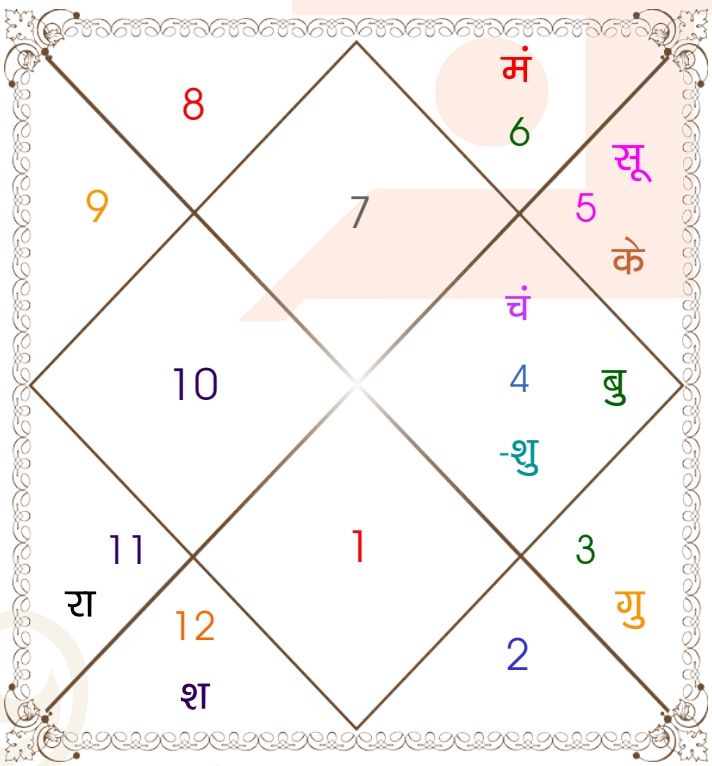

चन्द्र कुंडली

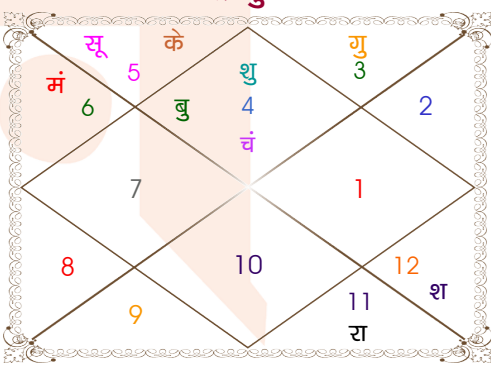

नवमांश कुंडली

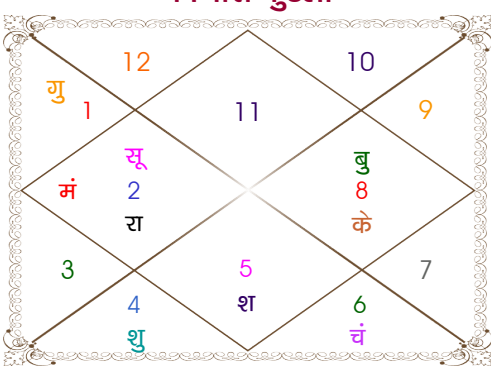

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 10 वर्ष 2 मास 18 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
21/08/2025		09/11/2035		08/11/2052		09/11/2059		09/11/2079	
09/11/2035		08/11/2052		09/11/2059		09/11/2079		08/11/2085	
	00/00/0000	बुध	07/04/2038	केतु	06/04/2053	शुक्र	10/03/2063	सूर्य	27/02/2080
	00/00/0000	केतु	04/04/2039	शुक्र	06/06/2054	सूर्य	10/03/2064	चंद्र	27/08/2080
	21/08/2025	शुक्र	02/02/2042	सूर्य	12/10/2054	चंद्र	08/11/2065	मंगल	02/01/2081
शुक्र	31/10/2026	सूर्य	09/12/2042	चंद्र	13/05/2055	मंगल	09/01/2067	राहु	27/11/2081
सूर्य	13/10/2027	चंद्र	10/05/2044	मंगल	10/10/2055	राहु	08/01/2070	गुरु	15/09/2082
चंद्र	13/05/2029	मंगल	07/05/2045	राहु	27/10/2056	गुरु	08/09/2072	शनि	28/08/2083
मंगल	22/06/2030	राहु	24/11/2047	गुरु	03/10/2057	शनि	09/11/2075	बुध	03/07/2084
राहु	28/04/2033	गुरु	01/03/2050	शनि	12/11/2058	बुध	09/09/2078	केतु	08/11/2084
गुरु	09/11/2035	शनि	08/11/2052	बुध	09/11/2059	केतु	09/11/2079	शुक्र	08/11/2085

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
08/11/2085		09/11/2095		10/11/2102		09/11/2120		09/11/2136	
09/11/2095		10/11/2102		09/11/2120		09/11/2136		00/00/0000	
चंद्र	09/09/2086	मंगल	06/04/2096	राहु	23/07/2105	गुरु	28/12/2122	शनि	13/11/2139
मंगल	10/04/2087	राहु	25/04/2097	गुरु	16/12/2107	शनि	11/07/2125	बुध	23/07/2142
राहु	09/10/2088	गुरु	01/04/2098	शनि	22/10/2110	बुध	17/10/2127	केतु	01/09/2143
गुरु	08/02/2090	शनि	10/05/2099	बुध	11/05/2113	केतु	22/09/2128	शुक्र	22/08/2145
शनि	09/09/2091	बुध	08/05/2100	केतु	29/05/2114	शुक्र	24/05/2131		00/00/0000
बुध	08/02/2093	केतु	04/10/2100	शुक्र	29/05/2117	सूर्य	11/03/2132		00/00/0000
केतु	09/09/2093	शुक्र	04/12/2101	सूर्य	23/04/2118	चंद्र	11/07/2133		00/00/0000
शुक्र	10/05/2095	सूर्य	11/04/2102	चंद्र	23/10/2119	मंगल	17/06/2134		00/00/0000
सूर्य	09/11/2095	चंद्र	10/11/2102	मंगल	09/11/2120	राहु	09/11/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 10 वर्ष 3 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।